(1) वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थो की संख्या होती है ?
- (अ) 9
- (ब) 6
- (स) 3
- (द) 8

(2) सभी पंचमहाभूतों के नाम 'व' शब्द से जैसे विशद, वायु, वीह्नि, वारि, वसुन्धरा आदि किसने बतलाए है ?
- (अ) माधव
- (ब) काश्यप
- (स) भावप्रकाश
- (द) हारीत

(3) चक्रपाणि के अनुसार परादि गुणों को कहा जाता है ?
- (अ) शारीर गुण
- (ब) चिकित्सीय गुण
- (स) सामान्य गुण
- (द) विशिष्ट गुण

(4) 'यत्र मूर्ख विदुषां बुद्धि यो वर्ण्य वर्णयति' – किसका लक्षण हैं। (च. वि. 8/34)
- (अ) हेतु
- (ब) दृष्टान्त
- (स) उपनय
- (द) निगमन

(5) चक्रपाणि किस वंश से सम्बंधित थे ?
- (अ) लोध्रवंश
- (ब) लोध्रवली वंश
- (स) मौर्य वंश
- (द) शुंगवंश

(6) पंचकर्म के संदर्भ में 1 प्रस्थ.=.....। (शार्ग्धर उत्तर खण्ड अ. 3)
- (अ) 64 तोला
- (ब) 54 तोला
- (स) 56 तोला
- (द) 60 तोला

(7) 'स्वाहा' में कौनसी विभक्ति होती है ?
- (अ) द्वितीया
- (ब) तृतीया
- (स) चतुर्थी
- (द) पंचमी

(8) सर्वांग नेत्र गौरव किसका लक्षण है ?
- (अ) मज्जावृद्धि
- (ब) मज्जाक्षय
- (स) कफवृद्धि
- (द) वातवृद्धि

1. B	**2. C**	**3. C**	**4. B**	**5. B**	**6. B**	**7. C**	**8. A**

(9) 'पुरीषधरा' कौनसी कला होती है।
- (अ) चतुर्थ
- (ब) पंचम
- (स) षष्ठी
- (द) सप्तमी

(10) चरकानुसार दोषों के विकल्प भेद होते है।
- (अ) 57
- (ब) 60
- (स) 62
- (द) 63

(11) त्रिदोष हेतु 'सर्वरोगाणां एककरणम्' किसका कथन है। (अ. सू. अ. 12/32)
- (अ) चरक
- (ब) सुश्रुत
- (स) वाग्भट्ट
- (द) माधव

(12) स्नायु, सिरा, रोम, बलवर्ण, नख, त्वचा की उत्तपत्ति गर्भ के किस माह में होती है। (अ. हृ. शा. 1/51)
- (अ) चतुर्थ
- (ब) पन्चम
- (स) षष्ठम
- (द) सप्तम

(13) 'अन्धता' कौनसे स्रोत्रोविद्धता का लक्षण है। (सु. शा. 9/12)
- (अ) अन्नवह
- (ब) उदकवह
- (स) प्राणवह
- (द) रक्तवह

(14) अन्नवह स्त्रोतस् दुष्टि की चिकित्सा होती है। (च. वि. 5/26)
- (अ) वमन
- (ब) लंघन
- (स) आमदोष नाशक चिकित्सा
- (द) लंघन, आमदोष नाशक चिकित्सा

(15) पारद को महारस किसने माना है ?
- (अ) रसमंजरी
- (ब) आयुर्वेद प्रकाश
- (स) रस रत्न समुच्चय
- (द) रस तंरगडी

(16) सप्तामृत लौह का घटक द्रव्य नहीं है।
- (अ) विभीतक
- (ब) मधुयष्ठी
- (स) लौह
- (द) शतावरी

9. B	**10. C**	**11. C**	**12. C**	**13. A**	**14. C**	**15. B**	**16. D**

(17) 'क्षारद्वय में क्या मिलाने पर 'क्षाऱत्रय' बनेगा।
(अ) यवक्षार
(ब) सज्जीक्षार
(स) अपमार्ग क्षार
(द) टंकण

(18) यस्य प्रसादने शक्ति सः सान्द्रः। – किसका कथन है।
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) चक्रपाणि
(द) हेमाद्रि

(19) असाध्य मण्डूक हैं (सु. क. 8/38)
(अ) कषायी, स्थालिका
(ब) भृकुटी, कोटिक
(स) कृष्ण, रक्त
(द) चित्रा, अग्निप्रभा

(20) 'चन्द्रबल' उत्तमता होती है। (सु. सू. 6/7)
(अ) शरद ऋतु में
(ब) हेमन्त ऋतु मे
(स) बंसन्त ऋतु में
(द) शिशिर ऋतु में

(21) आरा शस्त्र का प्रयोग होता है। (सु. सू. 8/4)
(अ) अस्थि छेदन में
(ब) लेखन में
(स) कर्णपाली वेधन में
(द) विस्त्रावण में

(22) 'प्लुष्ट दग्ध' की चिकित्सा में किया जाता है। (सु. सू. 12/19)
(अ) शीतोपचार
(ब) उष्णोपचार
(स) दोनों
(द) उर्पयुक्त में से कोई नहीं

(23) अधिमन्थे नतं कृष्णमुन्नतं शुक्लमण्डलम्। – कौनसे अधिमन्थ का लक्षण है। (अ. ह्र. उ. 15/11)
(अ) वातज
(ब) पित्तज
(स) कफज
(द) रक्तज

(24) शोफो महान अन्नजलावरोधी। – किसका लक्षण है। (सु. नि. 16/62)
(अ) गलौध
(ब) गिलायु
(स) मांसतान
(द) वातज रोहिणी

17. D	**18. D**	**19. B**	**20. B**	**21. C**	**22. B**	**23. C**	**24. A**

(25) आवि के अनुपस्थित होने पर भी अकाल प्रवाहण से कौनसा योनिव्यापद होता है। (च. चि. 30/27)
(अ) उदार्वता
(ब) कर्णिनी
(स) पुत्रघ्नी
(द) जातघ्नी

(26) क्षीरा जीवनीयानां किसका कथन है। (च. सू. 25/40)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) भावप्रकाश

(27) षड्धातुवाद के प्रर्वतक है। (च. सू. 25/15)
(अ) भद्रकाप्य
(ब) कणाद
(स) हिरण्याक्ष
(द) आत्रेय

(28) न हि ज्ञानावयवेन् कृत्स्ने ज्ञेये ज्ञानमुत्पद्यते। – उक्त सूत्र का वर्णन कहॉ मिलता है।
(अ) चरक सूत्रस्थान
(ब) चरक विमानस्थान
(स) चरक इन्द्रियस्थान
(द) चरक सिद्धिस्थान

(29) चरक ने कौनसा स्रोत्रस् नही माना है। (च. वि. 5/6)
(अ) रसवह
(ब) स्तन्यवह
(स) उदकवह
(द) रक्तवह

(30) चरकानुसार ब्रह्मरसायन में कौनसे पंचमूल के द्रव्य नही होते है। (च. चि. 1/1 पाद/44)
(अ) लघु पंचमूल
(ब) वल्ली पंचमूल
(स) जीवनीय पंचमूल
(द) तृण पंचमूल

(31) चरकानुसार शिलाजतु की अवर, मध्यम और उत्तम मात्रा क्रमशः होती है। (च. चि. 1/3 पाद/55)
(अ) 1 पल, 1/2 पल, 1 कर्ष
(ब) 2 पल, 1 पल, 1/2 कर्ष
(स) 1 पल, 1/2 पल, 1/4 कर्ष
(द) 1 कर्ष, 1/2 पल, 1 पल

(32) कौनसा विसर्प आमाशय आश्रित होता है। (च. चि. 21/38)
(अ) आग्नेय विसर्प
(ब) ग्रन्थि विसर्प
(स) कर्दम विसर्प
(द) सन्निपातज विसर्प

25. B	**26. A**	**27. C**	**28. B**	**29. B**	**30. B**	**31. D**	**32. C**

(33) पित्तज रोगों में पंचप्रसृतिक निरूह बस्ति में प्रयुक्त स्नेह की मात्रा होती है। (च. सि. 3/30)
(अ) 2 प्रसृत
(ब) 3 प्रसृत
(स) 1/2 प्रसृत
(द) 4 प्रसृत

(34) परं त्र्यहाज्जावितं चेत् प्रत्याख्याचरेत् कियाम्। – किसका लक्षण है। (च. सि. 9/73)
(अ) अर्धावभेदक
(ब) अनन्तवात
(स) सूर्यावर्त
(द) शंखक

(35) अहोरात्र (दिन–रात) में ऋतु के लक्षणों का वर्णन किस आचार्य ने किया हैं। (सु. सू. 6/16)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) शार्रग्धर

(36) 'शिशंपा क्वाथ' का प्रयोग किसकी चिकित्सा में होता है। (सु. चि. 11/9)
(अ) वसामेह
(ब) सर्पिमेह
(स) मज्जामेह
(द) क्षौदमेह

(37) जांगल पशु पक्षियों की वसा का प्रयोग होता है। (अ. ह्र. 25/16)
(अ) स्नेहन पुटपाक
(ब) लेखन पुटपाक
(स) प्रसादन पुटपाक
(द) उपर्युक्त सभी

(38) 'श्रृंगाटक' कौनसी मर्म है। (सु. शा. 6/7)
(अ) मांसमर्म
(ब) सिरामर्म
(स) स्नायुमर्म
(द) संधिमर्म

(39) Largest Cranial nerve of the Body is –
(A) Vagus
(B) Hypoglosal
(C) Trigeminal
(D) Abducent.

(40) Inferior oblige muscle Rotates the eyeball is –
(A) Upper, Outwards
(B) Down, Outwards
(C) Inwards
(D) Outwards.

33. A	**34. D**	**35. B**	**36. A**	**37. B**	**38. B**	**39. C**	**40. A**